Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 11th | HISTORY

तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य

अध्याय-2 | भाग-5

एकदम BASIC से!

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1. तीसरी शताब्दी का संकट
2. रोमन साम्राज्य में समाज और संस्कृति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

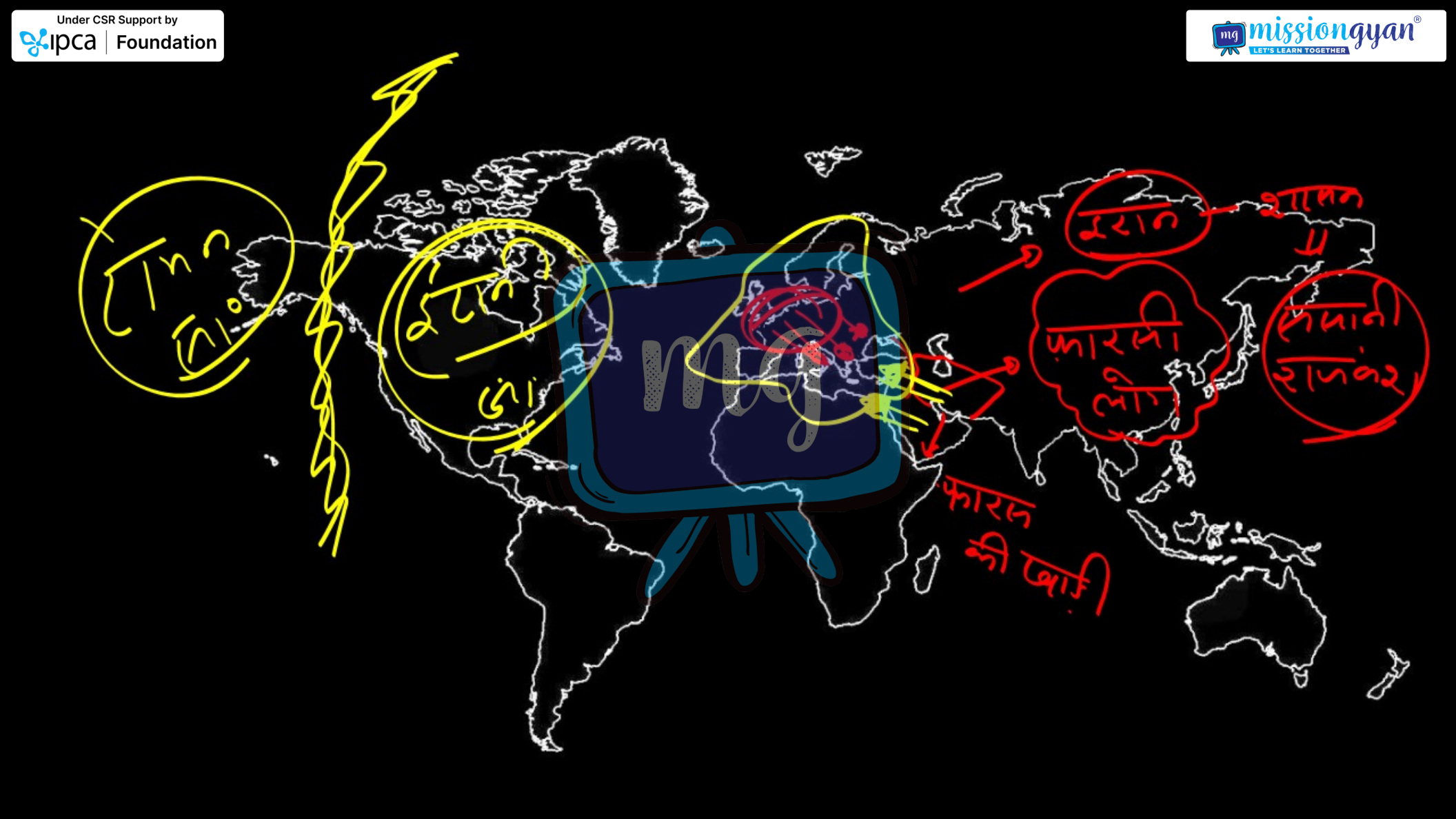

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

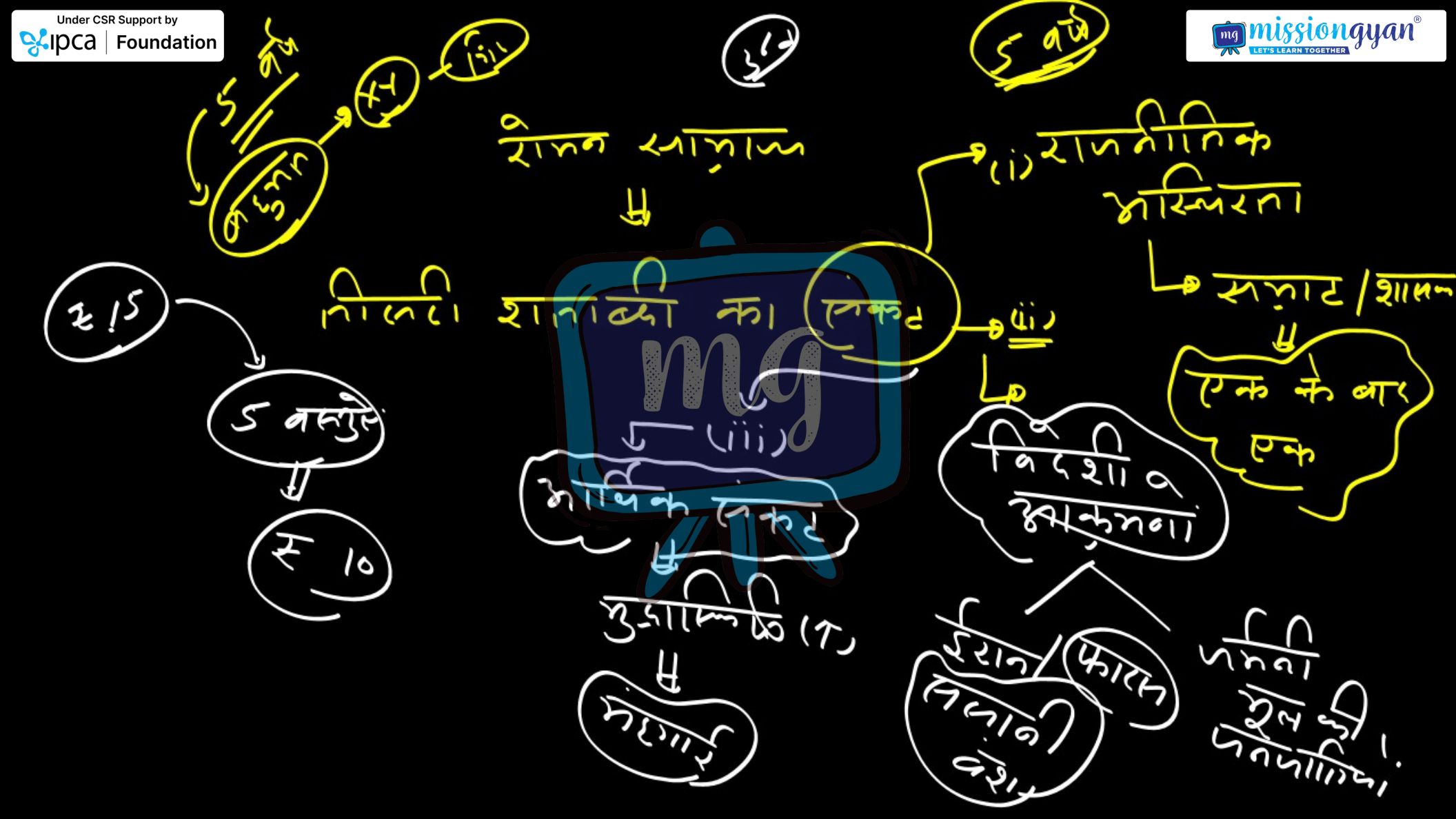

Under CSR Support by
ipca | Foundation

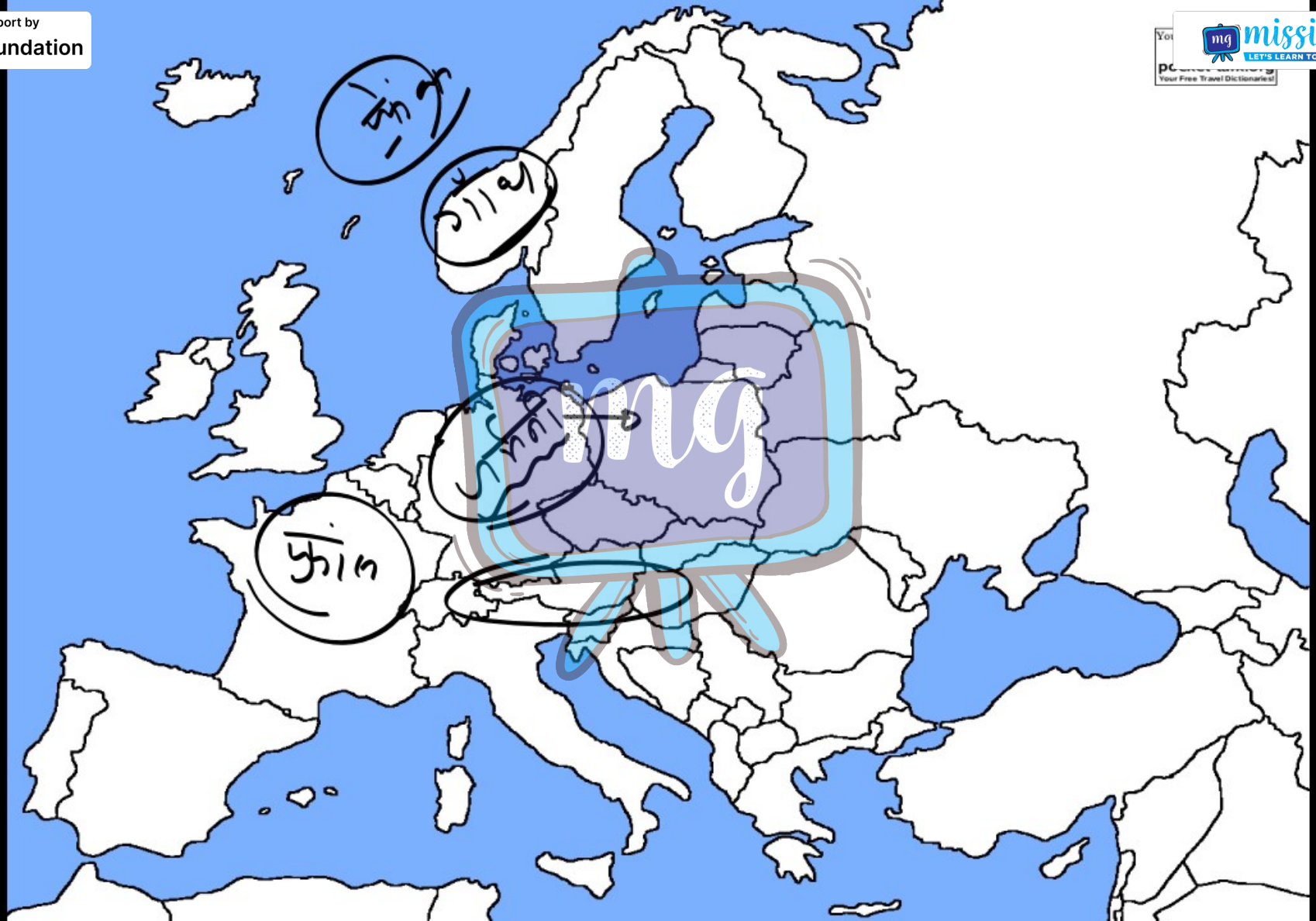

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सम्राट गैलीनस

i. सैनेटरों को सैनिक कमान से हटाया

ii. सैनेटरों को सेना में सेवा करने पर पाबंदी

- ताकि साम्राज्य पर नियंत्रण उनके हाथ में न जाए
- दूसरी और तीसरी शताब्दी तक सेना व प्रशासन में अन्य प्रांतों से भी आने लगे थे जबकि पहले केवल इटली से आते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सैनेट में तीसरी शताब्दी तक →
  - इतालवी मूल के लोगों का प्रभुत्व रहा।
  - परंतु बाद में प्रांतों के सैनेटरों की संख्या बढ़ी।
- रोमन साम्राज्य में आर्थिक व राजनीतिक दृष्टि से इटली का पतन हुआ।
- भूमध्य सागर के समृद्ध व शहरीकरण भाग जैसे – स्पेन के दक्षिणी भाग, अफ्रीकी व पूर्वी भागों में नए सभ्रांत वर्गों का उदय हुआ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. रोमन साम्राज्य के तृतीय शताब्दी के संकट को स्पष्ट कीजिए।

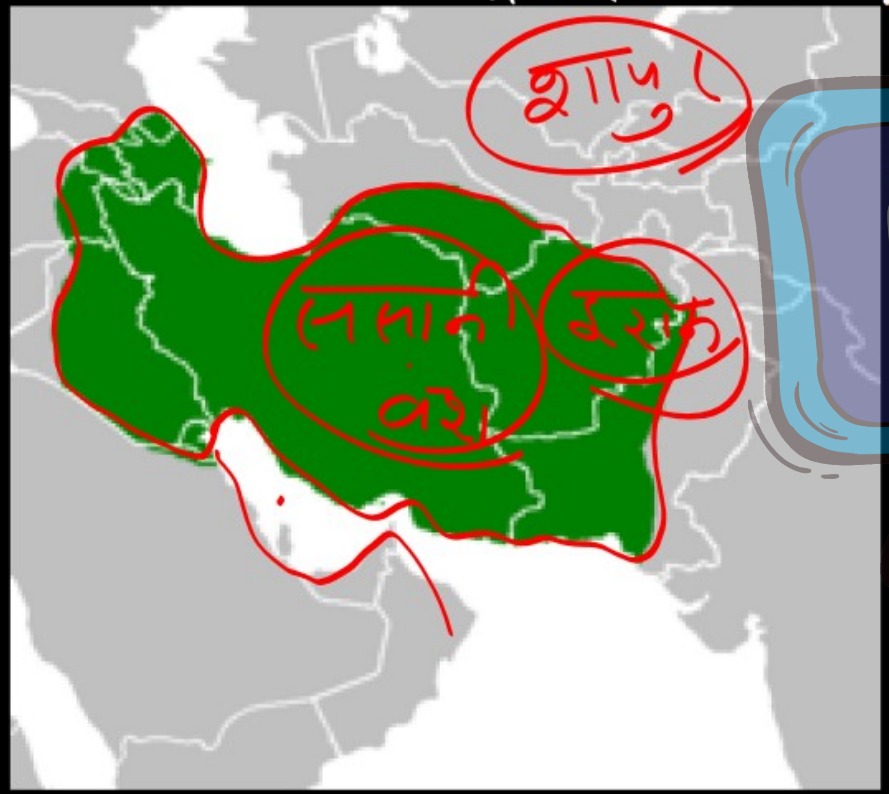

तीसरी शताब्दी का संकट

1. 230 के दशक में (233-280 ईस्वी)
2. विदेशी आक्रमण
   - 'ससानी' राजवंश (फारसी) का बढ़ता प्रभाव (225 ई.)
   - 15 वर्षों में फ़रात नदी तक विस्तार
   - शिलालेख → शापुर प्रथम ने
     - 60,000 रोमन सेना का सफाया कर दिया।
     - रोम साम्राज्य की पूर्वी राजधानी एंटिऑक पर कब्जा किया

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. जर्मन मूल की जनजातियों/राज्य समुदायों जैसे – एलमन्नाइ, फ्रैंक और गोथ

- राइन तथा डैन्यूब नदी तक नियंत्रण
- 233 से 280 → काला सागर से लेकर आल्पस तक और दक्षिण जर्मनी तक आक्रमण

अत: रोमनवासियों को डैन्यूब से आगे का क्षेत्र छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

- इन आक्रमणों को रोमवासी 'विदेशी बर्बर' कहा करते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. राजनैतिक अस्थिरता (सैन्य अराजकता)

❖ तीसरी शताब्दी में 47 वर्षों में 25 सम्राट सत्तासीन हुए।

5. आर्थिक मंदी

6. साम्राज्य का विभाजन

- गैलिक साम्राज्य
- पल्मीरीन साम्राज्य
- इटली केन्द्रित रोमन साम्राज्य

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रोमन साम्राज्य का समाज और संस्कृति

- लिंग
- साक्षरता
- संस्कृति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

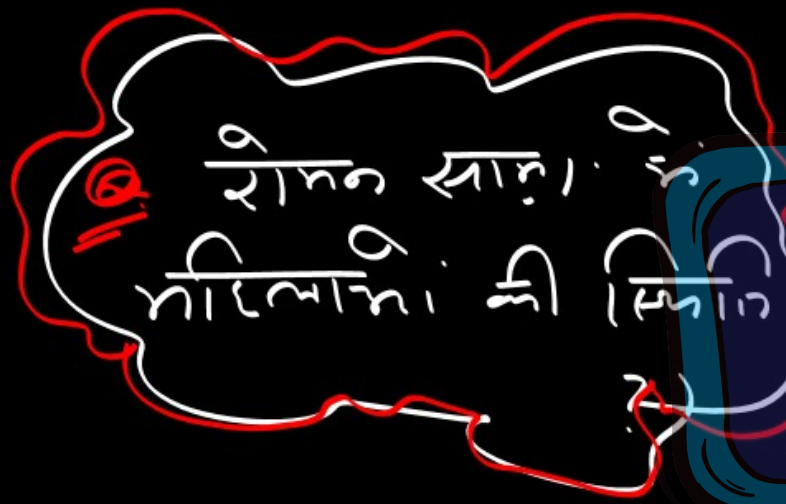

लिंग

- एकल परिवार
- वयस्क पुत्र अपने पिता के परिवारों के साथ नहीं रहते थे।
- वयस्क भाई बहुत कम साझे परिवार में रहते थे।
- दास परिवार का भाग थे।
- महिलाओं की स्थिति → गणतंत्र के परवर्तीकाल (प्रथम शती ई.पू.)
  - i. पत्नी अपने पति को अपनी संपत्ति हस्तांतरित नहीं किया करती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ii. पैतृक परिवार में पूर्ण अधिकार

iii. दहेज वैवाहिक अवधि के दौरान उसके पति के पास चला जाता था।

iv. महिला अपने पिता की मुख्य उत्तराधिकारी बनी रहती थी।

v. पिता की मृत्यु पर वह उसकी सम्पत्ति की स्वतंत्र मालिक बन जाती थी।

vi. सम्पत्ति के स्वामित्व व संचालन का अधिकार

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

vii. कानून के अनुसार पति-पत्नी को दो अलग – अलग वित्तीय हस्तियाँ माना जाता था।

viii. तलाक देना आसान → विवाह भंग की सूचना

ix. विवाह की आयु → पुरूष - 28-29, 30-32
महिला – 16-18, 22-23

x. विवाह परिवार द्वारा नियोजित

xi. महिलाओं पर उनके पति अक्सर हावी रहते थे।

xii. कैथोलिक बिशप ऑगस्टीन ने लिखा है कि उनकी माता की उनके पिता द्वारा पिटाई की जाती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

xiii. पिता का अपने बच्चों पर अत्यधिक कानूनी नियंत्रण होता था।

xiv. अवांछित बच्चों के मामले में उन्हें जिंदा रखने या मार डालने तक का कानूनी अधिकार प्राप्त था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सेंट ऑगस्टीन (354-430)

1. 396 से हिप्पो (उत्तरी अफ्रीका) नगर के बिशप चर्च के
2. बौद्धिक इतिहास में उनका उच्चतम स्थान था।
3. बिशप लोग ईसाई समुदाय के महत्वपूर्ण व्यक्ति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

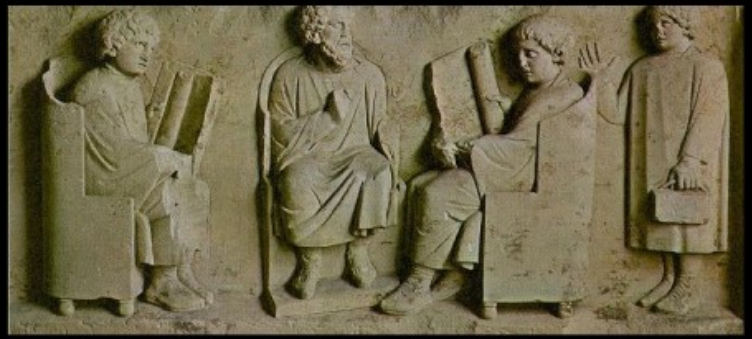

साक्षरता

- पोम्पेई नगर में कामचलाऊ साक्षरता के प्रमाण
  - पढ़ने और लिखने का दैनिक प्रयोग, प्रायः छोटे-मोटे संदर्भों में।
- पोम्पेई की दीवारों पर अंकित विज्ञापन
- मिस्त्र में सैकड़ों 'पैपाइरस' के साक्ष्य जिन पर औपचारिक – दस्तावेज़ जैसे कि संविदा–पत्र आदि लिखे हुए है।